<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 2097

24 दिसंबर, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात का उत्पादन/निर्यात

2097. श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदीः

श्री एम. उदयकुमारः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में चालू वर्ष के दौरान इस्पात उत्पादन की कुल क्षमता और उत्पादित इस्पात की मात्रा का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि भारत द्वारा तैयार इस्पात का निर्यात अक्तूबर, 2018 में 23.4 प्रतिशत गिरकर 0.596 मिलियन टन हो गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि भारत को मूल्य संवर्धन के द्वारा विशेष इस्पात उत्पाद के आयातों पर निर्भरता कम करनी चाहिए और तकनीकी उन्नयन के लिए अग्रणी वैश्विक कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम बनाना चाहिए और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या यह सच है कि विश्व का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक होने के बावजूद भारत अभी भी कुछ उत्पादों के लिए आयातों पर निर्भर है और आत्मनिर्भर बनने के लिए विद्युत ग्रेड और ऑटो ग्रेड स्टील के उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की आवश्यकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): देश में वर्तमान वर्ष के दौरान इस्पात उत्पादन की कुल क्षमता और कुल उत्पादित इस्पात की मात्रा का राज्यवार ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ख): भारत का निर्यात 23.1% घटकर 0.598 मिलियन टन हो गया है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

कुल फिनिश्ड इस्पात (अलॉय/स्टेनलेस+नॉन अलॉय) निर्यात (एमटी)		
वर्ष	**मात्रा**	**विगत वर्षों में % बदलाव**
अक्टूबर 2018*	0.598	-23.1
स्रोत: जेपीसी अनंतिम*		

निर्यात और आयात परिवर्तनशील स्थितियाँ हैं जो कच्चे माल की लागत, विनियम दर, घरेलू माँग, इस्पात का अंतर्राष्ट्रीय मूल्य, स्टॉकिंग/डि-स्टॉकिंग सूची, वैश्विक बाजार में माँग और प्रतिस्पर्धी इत्यादि जैसे घटकों के आधार पर परिवर्तित होती रहती है।

(ग): जी हाँ। यह सत्य है कि भारत को विशेष इस्पात उत्पादों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देकर ऐसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता में कटौती करना चाहिए, तथापि, यह उल्लेखनीय है कि इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और प्रौद्योगिकी के उन्नयन के लिए संयुक्त उद्यम बनाना एक पूर्णतया वाणिज्यिक निर्णय है, जो कई पहलुओं पर निर्भर करता है।

(घ): यह सच है कि विश्व का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक होने के बावजूद भारत अभी भी विशेष और मूल्यवर्धित इस्पात उत्पादों को आयात करने के लिए निर्भर है और उसे आत्मनिर्भर बनने के लिए इलेक्ट्रिकल ग्रेड और ऑटो ग्रेड इस्पात उत्पादित करने की घरेलू क्षमताएं विकसित करने की आवश्यकता है। सरकार इस ओर प्रयास कर रही है। गत दिनों सेल और आर्सेलर मित्तल ने इस्पात के ऑटोमेटिव ग्रेड उत्पादन के लिए एक संयंत्र की स्थापना के लिए समझौते हेतु एक संयुक्त उद्यम (जेवी) टर्म शीट की पुष्टि की है। इससे आयात को कुछ हद तक संभाला जा सकता है। टाटा इस्पात और थीसिनक्रप (जो इस्पात की इलेक्ट्रिकल ग्रेड विकसित करने के लिए विशेषज्ञ हैं) के बीच एक संधि हुई है, जिससे इलेक्ट्रिकल इस्पात के लिए मदद मिलेगी। इस्पात क्षेत्र की बेहतरी के लिए अनुसंधान और विकास करवाने हेतु एसआरटीएमआई भी स्थापित किया गया है।

*****

अनुलग्नक

(लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2097 दिनांक 24.12.2018)

	(हजार टन में)	(हजार टन में)
राज्य	**क्षमता**	**उत्पादन**
अरुणाचल प्रदेश	74	62
असम	314	229
बिहार	1138	703
झारखंड	19995	17113
मेघालय	185	74
ओडिशा	27239	16968
त्रिपुरा	30	20
पश्चिम बंगाल	10128	7840
छत्तीसगढ़	16464	13033
दादर व नगर हवेली	291	246
दमन एवं दीव	41	33
गोवा	509	345
गुजरात	12337	8260
मध्य प्रदेश	170	144
महाराष्ट्र	10884	8457
दिल्ली	14	12
हरियाणा	931	806
हिमाचल प्रदेश	698	458
जम्मू और कश्मीर	187	130
पंजाब	3878	2779
राजस्थान	1093	793
उत्तर प्रदेश	1245	1001
उत्तराखंड	604	438
आंध्र प्रदेश	8205	6156
कर्नाटक	14266	12766
केरल	622	336
पुदुचेरी	343	162
तमिलनाडु	4316	2699
तेलंगाना	1774	1070
कुल	**137975**	**103131**
स्रोत: जेपीसी		